

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 8

Chapter Name : क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

Q1 पंजाब समझौते के मुख्य प्रावधान क्या थे? किस तरह से वे पंजाब और उसके पड़ोसी राज्यों के बीच तनाव का आधार हो सकते हैं?

Answer. राजीव गांधी ने उदारवादी अकाली नेताओं के साथ बातचीत शुरू की। जुलाई 1985 में, वह अकाली दल के अध्यक्ष, हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ एक समझौते पर पहुँचे। यह समझौता, जिसे पंजाब समझौते के रूप में जाना जाता है, पंजाब में सामान्य स्थिति लाने की दिशा में एक कदम था। यह सहमति हुई कि चंडीगढ़ को पंजाब में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, पंजाब और हरियाणा के बीच सीमा विवाद को हल करने के लिए एक अलग आयोग नियुक्त किया जाएगा, और पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच रावी-ब्यास नदी के पानी के बंटवारे का फैसला करने के लिए एक न्यायाधिकरण स्थापित किया जाएगा। पंजाब में उग्रवाद से प्रभावित लोगों के मुआवजे तथा बेहतर इलाज और पंजाब से विशेष सुरक्षा बल अधिनियम को वापस लेने के लिए भी सहमति हुई।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 आनंदपुर साहिब प्रस्ताव विवादास्पद क्यों बना?

Answer. 1970 के दशक में अकालियों का एक वर्ग इस क्षेत्र के लिए राजनीतिक स्वायत्तता की मांग करने लगा। यह 1973 में आनंदपुर साहिब में उनके सम्मेलन में पारित एक प्रस्ताव में परिलक्षित हुआ था। आनंदपुर साहिब संकल्प ने क्षेत्रीय स्वायत्तता का दावा किया और देश में केंद्र राज्य संबंधों को फिर से परिभाषित करना चाहता था। इस प्रस्ताव में सिखों की आकांक्षाओं की भी बात की गई और उन्होंने सिखों के बोलबाला को अपना लक्ष्य घोषित किया। संकल्प, संघवाद को मजबूत करने के लिए एक याचिका थी, लेकिन इसे एक सिख राष्ट्र की याचिका के रूप में माना जा सकता है।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 जम्मू और कश्मीर राज्य में आंतरिक विभिन्नताओं की व्याख्या करें और वर्णन करें कि ये कैसे उस राज्य में कई क्षेत्रीय आकांक्षाओं को जन्म देती हैं।

Answer. 1989 तक जम्मू और कश्मीर राज्य, एक अलग कश्मीरी राष्ट्र की मांग के कारण हुए उग्रवादी आंदोलन की चपेट में आ गया था। विद्रोहियों को पाकिस्तान से नैतिक और सैन्य समर्थन मिला। कई वर्षों तक राज्य राष्ट्रपति शासन के अधीन था और प्रभावी रूप से सशस्त्र बलों के नियंत्रण में था। 1990 की अवधि के दौरान, जम्मू और कश्मीर ने विद्रोहियों के हाथों और सेना की कार्रवाई के माध्यम से हिंसा का अनुभव किया। राज्य में विधानसभा चुनाव केवल 1996 में हुए थे जिसमें फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में राष्ट्रीय सम्मेलन, जम्मू और कश्मीर के लिए क्षेत्रीय स्वायत्तता की मांग के साथ सत्ता में आया था।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 कश्मीर के लिए क्षेत्रीय स्वायत्तता के मुद्दे पर विभिन्न पक्ष क्या हैं? आपको इनमें से कौन सा उचित लगता है? अपने उत्तर के लिए कारण दें।

Answer. अलगाववादी राजनीति जो कि 1989 से कश्मीर के सामने थी, ने अलग-अलग रूप धारण किए हैं और यह विभिन्न प्रकार के समूहों से बनी है। भारत और पाकिस्तान से स्वतंत्र एक अलग कश्मीरी राष्ट्र को चाहने वाले अलगाववादी उनमें से एक हैं। फिर ऐसे समूह हैं जो चाहते हैं कि कश्मीर का पाकिस्तान में विलय हो। इनके अलावा, तीसरा समूह है जो भारतीय संघ के भीतर राज्य के लोगों के लिए अधिक स्वायत्तता चाहता है। स्वायत्तता का विचार जम्मू और लद्दाख क्षेत्रों के लोगों को एक अलग तरीके से आकर्षित करता है। वे अक्सर उपेक्षा और पिछड़ेपन की शिकायत करते हैं। इसलिए, राज्य की स्वायत्तता के लिए अन्तर्राज्य स्वायत्तता की मांग उतनी ही मजबूत है।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 असम आंदोलन जो सांस्कृतिक अभिमान और आर्थिक पिछड़ेपन का एक संयोजन था। व्याख्या कीजिये।

Answer. उत्तर पूर्व क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रवासन ने एक विशेष प्रकार की समस्या को जन्म दिया जिसने स्थानीय समुदायों को बाहरी लोगों या प्रवासियों के रूप में देखे जाने वाले लोगों के खिलाफ खड़ा कर दिया। ये भारत के दूसरे राज्यों से या विदेशों से आए लोगों को भूमि हड़पने, दुर्लभ संसाधनों पर अतिक्रमण करने, रोजगार के संभावित प्रतियोगियों के रूप में देखने लगे थे और इस मुद्दे ने राजनीतिक रूप ले लिया था। इस मुद्दे ने उत्तर पूर्व के कई राज्यों में राजनीतिक और कभी-कभी हिंसक रूप ले लिया है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन ग्रुप किसी भी पार्टी से जुड़ा नहीं, एक विदेशी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया। आंदोलन अवैध प्रवासों के खिलाफ था, बंगालियों और अन्य बाहरी लोगों के वर्चस्व के खिलाफ था, और दोषपूर्ण मतदाता रजिस्टर के खिलाफ जिसमें लाखों प्रवासियों के नाम शामिल थे।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 सभी क्षेत्रीय आंदोलनों को अलगाववादी मांगों की ओर ले जाने की आवश्यकता नहीं है। इस अध्याय से उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

Answer. हमने देखा कि बाहरी लोगों के खिलाफ असम में आंदोलन एक अलग राज्य या पहचान के लिए आंदोलन नहीं था। असम आंदोलन मूल रूप से इस क्षेत्र में बेरोजगारी के साथ-साथ क्षेत्र में लोगों के पिछड़ेपन के खिलाफ था। असम में मांगें पंजाब और कश्मीर की तरह किसी भी अलग पहचान के लिए नहीं थीं, यह उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के बीच मौजूद सामाजिक असमानता के खिलाफ एक हथियार की तरह था। उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में स्वायत्तता, आंदोलनों और अलगाव की मांग थी, जबकि बाहरी लोगों का विरोध, पंजाब और जम्मू और कश्मीर में अलगाववादी मांगों के समान प्रमुख मुद्दे नहीं था।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 भारत के विभिन्न हिस्सों की क्षेत्रीय मांगों से विविधता में एकता के सिद्धांत की अभिव्यक्ति होती है। क्या आप सहमत हैं? कारण बताओ।

Answer. क्षेत्रीय मांगें क्षेत्रीय संस्कृतियों, क्षेत्रीय भाषाओं, क्षेत्रीय परंपराओं में अंतर को दर्शाती हैं। भारत एक विशाल देश है जिसमें 100 से अधिक विभिन्न भाषाएं हैं, जिनमें विभिन्न प्रजातियाँ, जाति और संस्कृति हैं। भारत जैसे विशाल देश में लोगों की अलग-अलग संस्कृति के कारण मतभेद आसानी से देखे जा सकते हैं। क्षेत्रीय मांगें बताती हैं कि लोग अपनी संस्कृति और परंपरा के बारे में वास्तव में कैसे रूढ़िवादी हैं जिनको वे अन्य संस्कृतियों और परंपरा के साथ हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। क्षेत्रीय मांगें यह भी बताती हैं कि लोग अपनी संस्कृति को अपने लोगों के साथ कैसे संरक्षित करना चाहते थे, वे अपने पूर्वजों की संस्कृतियों और परंपरा की उस भावना को साझा नहीं करना चाहते हैं। भारत में यह विशाल विविधता इस तथ्य को साबित करती है कि भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में रह सकता है, जिसमें एक विशाल विविधता वाली संस्कृति है। यहाँ विविधता में एकता है।

Page : 170 , Block Name : प्रश्नावली